NSS programme of Dilawarpur Govardhan Gram Panchayat of Bidupur Block of Vaishali District on 31st January 2016.

Chanakya National Law University, Patna has adopted Dilawarpur Govardhan Gram Panchayat of Biddupur Block of Vaishali District under University Social Responsibility programme. A free medical check-up camp was organised by NSS Cell of Chanakya National Law University today. Medical check-up of about 200 villagers was done and relevant advice was tendered in the clinical field of Gastroenterology, General Medicine, Ophthalmology, Dental etc. by the reputed medical team consisting of Dr. Manish Mandal, Dr. Jayant Prakash, Dr. Amitesh Kumar, Dr. Atul Varma, Dr. Jayshree Shekhar and Dr. Ashok Kumar Sinha along with expert pathologist team. Free blood test was also performed for examining diseases like Hepatitis and Diabetes etc.

Dr. S. P. Singh, registrar cum programme coordinator of CNLU told that university under the Village Adoption programme regularly organizes such programme to provide social, legal and medical aid to the Villagers.

The Student Volunteers of the university actively participated in organising the medical camp.

ग्रुप को-ऑर्डिनेटर बने डॉ एसपी सिंह

पटना. चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉक्टर एसपी सिंह को पंजाब, जम्मू एंड कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली यूनिवर्सिटी में आने वाले दिनों में आयोजित होने वाले यूथ कंपीटीशन में ग्रुप-कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी मिली है. ज्ञात हो कि मेघालय की राजधानी शिलांग में पिछले दिनों आयोजित हुए 13वें नेशनल यूथ पार्लियामेंट कंपीटीशन में श्री सिंह को सफलता से संचालन के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है. इसका आयोजन चार-पांच जनवरी को हुआ था, जिसमें देश के कई अलग-अलग विवि से करीब 50 प्रोफेसर्स ने हिस्सा लिया था.

पर्यावरण स्वच्छता के तहत पौधारोपण

पटना. जेपी छात्र युवा मोर्चा ने सोमवार को गांधी मैदान में पर्यावरण स्वच्छता अभियान के तहत पौधारोपण किया. इस दौरान संगठन के छात्र नेताओं ने संकल्प लिया कि पूरे राज्य में इस अभियान को चलाया जायेगा, जिससे पर्यावरण स्वच्छ रहे. अभियान का उद्घाटन विधान पार्षद रणवीर नंदन ने किया. उन्होंने संगठन के इस कदम की सराहना की. संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राज सिन्हा ने कहा कि इस अभियान को पूरे राज्य के हर जिले में 15 दिनों तक चलाया जायेगा, साथ ही छात्रों को इसके लिए जागरूक भी किया जायेगा.

एक कोशिश: दिलावरपुर गोवरधन, मधुरापुर और नान्हक चक को लिया गया था गोद

बदल रहा सीएनएलयू का 'गांव'

सितंबर 2015 से 5000 लोगों को 'संभाल' रहा सीआइएमपी

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

क्रेडिट सोशल रिस्पांसबिलिटी यानी सीएसआर के तहत चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा गोद लिये हुए पंचायत दिलावरपुर-गोवरधन पंचायत में विकास की रफ्तार अब धीरे-धीरे तेज हो रही है. विवि के रजिस्ट्रार डॉक्टर एसपी सिंह ने बताया कि गोद लेने के बाद गांव में होने वाले कई विकास कार्यों में प्रगति देखने को मिल रही है. ज्ञात हो कि इस पंचायत में तीन गांव दिलावरपुर गोवरधन, मधुरापुर और नान्हक चक है. वैशाली जिले में स्थित इस ग्राम पंचायत की दूरी मुख्यालय से करीब बीस किलोमीटर की है. इस पंचायत की आबादी करीब 15 हजार लोगों की है.

सुविधाओं में हो रही प्रगति

रजिस्ट्रार श्री सिंह ने बताया कि गांव को गोद लेने के बाद कई कमियों की सूची बनायी गयी और उसके बाद काम शुरू किया गया. गांव में बिजली की प्रोपर सुविधा नहीं थी. ट्रांसफॉर्मर जला हुआ था. स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पीएचसी की स्थापना नहीं थी, साथ ही गांव के स्कूल में कक्षा पांच तक ही पढ़ाई की सुविधा थी. आंगनबाड़ी और पीडीएस सुविधा भी बदहाल थी. इन सारी कमियों को दूर करने के लिए संबंधित विभागों व मंत्रियों को पत्र लिखा गया. विवि द्वारा हाल ही में मेडिकल टीम के साथ गांव के लोगों के लिए मेडिकल कैंप का आयोजन किया था, जिसमें करीब तीन सौ लोगों का चेक अप किया गया. अगली बार इस कैंप को और बड़े स्तर पर लगाने की योजना है.

गांव सुधारने निकली टीम

सीआइएमपी की ओर से गांव में पिछले दिनों एक हेल्थ कैंप भी लगाया गया था.

एनएलयू से प्रेरणा

रजिस्ट्रार ने बताया कि इस गांव को सितंबर 2015 में गोद लिया गया था. इसकी प्रेरणा बेंगलुरु स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी से मिली थी, जहां विवि ने एक गांव को गोद लेने के बाद विकास कार्यों पर ध्यान दिया था. उन्होंने बताया कि दिलावरपुर-गोवरधन गांव में आमदनी का मुख्य स्रोत कृषि है, जिसके बारे में नयी पहल करने का विचार किया जा रहा है. इसके अलावा एक कॉल सेंटर लगाने की योजना पर भी कार्य हो रहा है, जहां संपर्क कर गांव के लोग कई तरह की समस्याओं के निदान की जानकारी ले सकते हैं. इस पहल से गांववालों की स्थिति सुधर जायेगी.

MEDICAL CAMP
Organised by
of
At

डॉ0 मनीष मंडल